प्रयागराज का पहला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान कई महत्त्वपूर्ण पहलों की घोषणा की, जिनमें **शहर के पहले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण** और UP के विभिन्न ज़िलों में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये नगरपालिका बॉण्ड को स्वीकृति प्रदान करना शामिल है।

मुख्य बिंदु

- **राज्य सरकार की प्रमुख घोषणा:**
  - **प्रयागराज में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल:**
    - **उत्तर प्रदेश के शहरी विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रयागराज में 100 करोड़ रुपए** की लागत से एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की घोषणा की।
    - यह शहर का पहला ऐसा अस्पताल होगा, जिसे **शहरी विकास विभाग द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।**
  - **विकास के लिये नगरपालिका बॉण्ड:**
    - मंत्रिमंडल ने **प्रयागराज, वाराणसी** और **आगरा** में **बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये नगरपालिका बॉण्ड** जारी करने को **मंज़ूरी दी।**
    - इन ज़िलों के लिये **50 करोड़ रुपए** की धनराशि आवंटित की गई है।
    - इससे पहले लखनऊ और गाज़ियाबाद के लिये बॉण्ड जारी किये जा चुके हैं, जिनके परिणाम आशाजनक रहे हैं।
  - **नए मेडिकल कॉलेज:**
    - सरकार ने हाथरस, कासगंज और बागपत में तीन मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की।
  - **औद्योगिक एवं शैक्षिक विकास:**
    - राज्य सरकार की योजना राज्य भर में 62 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) और पाँच नवाचार, आविष्कार और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की है।
  - **पॉलिसी नवीनीकरण:**
    - उत्तर प्रदेश की एरोस्पेस और रक्षा तथा रोज़गार नीति, जो पाँच वर्ष पूरे कर चुकी है, नए प्रोत्साहनों के साथ नवीनीकरण किया जाएगा ताकि निवेश को आकर्षित किया जा सके।

नगरपालिका बॉण्ड

- **नगरपालिका बॉण्ड (म्यूनिसिपल बॉण्ड)** एक **ऋण प्रतिभूति** है जो किसी **राज्य, नगर पालिका** या काउंटी द्वारा अपने पूंजीगत व्ययों के वित्तपोषण के लिये जारी की जाती है, जिसमें **राजमार्गों, पुलों या स्कूलों का निर्माण** शामिल है।
  - एक **नगरपालिका निगम** नगरपालिका बॉण्ड के माध्यम द्वारा व्यक्तियों या संस्थानों से धन एकत्र है और एक निर्दिष्ट ब्याज राशि का भुगतान करने का वादा करता है, साथ ही एक निश्चित परिपक्वता तिथि पर मूलधन की वापसी करता है।
- ये **अधिकांशतः संघीय करों** तथा अधिकांश राज्य और स्थानीय करों से मुक्त होते हैं, जिससे ये उच्च आयकर वर्ग वाले लोगों के लिये विशेष रूप से आकर्षक बन जाते हैं।